



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

सोमवार, 29 फरवरी, 2016 / 10 फाल्गुन, 1937

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 फरवरी, 2016

संख्या: ई. एक्स. एन.-एफ.(6)-1/2004-लूज-1.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि हिमाचल प्रदेश राज्य में जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के दृष्टिगत लोकहित में एक स्कीम की विरचना करना और उसे अधिसूचित करना आवश्यक और समीचीन है जो ऐसे क्षेत्रों में नए होटलों, जो प्रथम अप्रैल, 2012 के पश्चात् प्रचालन में आए हैं, के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों को, होटल के प्रचालन में

आने की तारीख से, दस वर्ष की अवधि के लिए विलास-वस्तु कर का संदाय करने से छूट देने का उपबन्ध कर सके;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 (1979 का अधिनियम संख्यांक 15) की धारा 6-ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्कीम की विरचना करते हैं और जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में नए होटलों, जो प्रथम अप्रैल, 2012 के पश्चात् प्रचालन में आए हैं, के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों को ऐसे निर्बन्धनों और शर्तों, जैसी इस स्कीम में विनिर्दिष्ट की जाए, के अधीन, दस वर्ष की अवधि के लिए विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट प्रदान करते हैं:-

### स्कीम

**1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और विस्तार.**—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में नए होटलों के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों द्वारा) विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट स्कीम, 2016 है ।

(2) यह स्कीम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी ।

(3) यह स्कीम अधिनियम की धारा 6-ड में यथा विनिर्दिष्ट जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में लागू होगी ।

**2. परिभाषाएं.**— (1) इस स्कीम में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 अभिप्रेत है;

(ख) “निदेशक” से निदेशक पर्यटन, हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है;

(ग) “प्ररूप” से इस स्कीम से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है; और

(घ) “नया होटल” से ऐसा होटल अभिप्रेत है, जो धारा 6-ड के अधीन यथाविनिर्दिष्ट जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में प्रथम अप्रैल, 2012 के पश्चात् प्रचालन में आया है ।

(2) उन समस्त शब्दों और पदों के जो इसमें प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः उनके हैं ।

**3. छूट की स्वीकार्यता.**—(1) विलास-वस्तु कर का संदाय करने से छूट जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में नए होटल के लिए केवल तभी अनुज्ञेय होगी यदि,—

(i) यह प्रथम अप्रैल, 2012 के पश्चात् प्रचालन में आया है;

(ii) यह अधिनियम के अधीन पर्यटन विभाग, हिमाचल प्रदेश के साथ रजिस्ट्रीकृत है;

(iii) स्वत्वधारी, विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट के लिए निर्धारण अधिकारी को प्ररूप एल.टी.ई.(टी.एण्ड एच)–I पर आवेदन करता है;

(iv) स्वत्वधारी ने प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)–II पर निदेशक से प्रमाण-पत्र अभिप्राप्त किया है और उसे प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)–III पर निर्धारित प्राधिकारी को छूट (रियायत) प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए प्रस्तुत किया है;

(v) स्वत्वधारी ने प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)–III पर निर्धारण प्राधिकारी से छूट प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया है;

(vi) इस प्रकार स्थापित अवसंरचना स्थायी प्रकृति की है; और

(vii) नए होटल का स्वत्वधारी, अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के समस्त उपबन्धों का अनुपालन करता है ।

(2) प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-III पर जारी किया गया छूट प्रमाण-पत्र, होटल के प्रचालन में आने की तारीख से दस वर्ष की अवधि अथवा ऐसी अवधि के लिए होगा जैसी प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-II पर वर्णित की जाए । प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-III पर प्रमाण पत्र तब तक विधिमान्य रहेगा जब तक इसे रद्द न किया जाए या निदेशक, पर्यटन द्वारा वापिस न ले लिया जाए; और

(3) ऐसे नए होटल का कोई स्वत्वधारी छूट की अवधि के दौरान ऐसे नए होटल में उपलब्ध करवाई गई बिलास-वस्तु के लिए विलास-वस्तु कर के रूप में किसी रकम का संग्रहण नहीं करेगा । इस स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्धारण प्राधिकारी का स्वप्रेरणा से या किसी रिपोर्ट या परिवाद की प्राप्ति पर और नए होटल के सम्बद्ध स्वत्वधारी को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह समाधान हो जाता है कि इस स्कीम में विनिर्दिष्ट किसी शर्त सहित अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन हुआ है तो निर्धारण प्राधिकारी अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अधीन कार्रवाई कर सकेगा मानो यह स्कीम अस्तित्व में ही नहीं थी ।

(4) इस स्कीम के अधीन विद्यमान होटलों, जो पुनर्स्थापित किए गए हैं, जिनमें केवल स्वामित्व का परिवर्तन किया गया है, जिनके गठन में परिवर्तन किया गया है, जिनका पुनर्निर्माण किया गया है, जिनका विस्तार किया गया है या किसी विद्यमान होटल को पुनः प्रवर्तित किया है, को कोई छूट नहीं होगी ।

### प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-I

( पैरा 3 (iii) देखें)

छूट प्रमाण-पत्र को प्रदान करने या नवीकृत करने के लिए आवेदन का प्ररूप

सेवा में,

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

महोदय,

हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 की धारा 6-ड और तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार मैं .....  
(नाम), आयु.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी श्री.....  
निवासी..... इसमें नीचे यथा वर्णित नए होटल का स्वत्वधारी/भागीदार/प्रबन्ध निदेशक/प्रबन्धक..... प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-III पर छूट प्रमाण-पत्र को प्रदान करने/नवीकृत करने के लिए आवेदन करता हूँ तथा एतद् द्वारा निम्न घोषणा करता हूँ/ करती हूँ :-

I. (क) हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं मैसर्ज.....  
कर अधिनियम, 1979 के अधीन जनजातीय और दुर्गम स्थान.....  
क्षेत्र इकाई के स्वत्वधारी/भागीदार/प्रबन्ध निदेशक/ रजिस्ट्रीकरण.....  
प्रबन्धक आदि का विधिमान्यता की तारीख सहित इसके संख्या.....  
रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या के साथ-साथ नाम और विधिमान्यता की तारीख.....  
पूरा पता ।

- (ख) प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-II पर प्रमाण-पत्र जारी करने की तारीख सहित संख्या संख्या \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_
- (ग) आवेदित छूट की अवधि वर्ष और मास (शब्दों में) \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक ।
- (घ) होटल का विवरण, उसमें उपलब्ध करवाई गई प्रसुविधाएं और सेवाएं:— \_\_\_\_\_
- (i) इकाई का इसकी अवस्थिति के साथ नाम \_\_\_\_\_
- (ii) आवास की कौन सी श्रेणी/श्रेणियां आर्थिक प्रतिफल के लिए उपलब्ध है \_\_\_\_\_
- (iii) आवास की प्रत्येक श्रेणी में उपलब्ध कमरों की संख्या \_\_\_\_\_
- (iv) हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2002 के अधीन कक्ष वार नियत भाड़ा, यदि कोई हो \_\_\_\_\_
- (v) आगन्तुक को उपलब्ध करवाई गई बोर्डिंग की वस्तुएं (आइटमज) \_\_\_\_\_
- (क) प्रातः कालीन चाय
- (ख) नाश्ता
- (ग) दोपहर का भोजन
- (घ) सांयकालीन चाय
- (ङ) रात का भोजन
- (च) कोई अन्य विशेष वस्तु (आइटम)
- (vi) उपरोक्त खण्ड (अ) में वर्णित वस्तुओं के प्रभार जब ये होटल में ठहरे व्यक्तियों को विक्रीत की गई हों
- (vii) आलेख जिसमें लेखे रखे गए हैं
- (ङ) हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के अधीन चालू वर्ष के लिए प्रभारों का अनुमानित सकल आवर्त
- कुल आवर्त
- (च) हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के अधीन चालू वर्ष के लिए विलास -वस्तु कर दायित्व रकम \_\_\_\_\_ रूपए

2. (i) मैं एतद् द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6-ड के अधीन अनुज्ञेय अवधि के लिए विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट प्राप्त करने के लिए विकल्प देता हूँ ।
- (ii) मैं एतद् द्वारा कथन करता हूँ/करती हूँ कि इकाई एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-III में प्रमाण-पत्र को जारी करने के लिए अनिवार्य समस्त शर्तों को पूर्ण करती है ।
- (iii) मैं एतद् द्वारा वचन देता हूँ/देती हूँ कि मैं अधिसूचना संख्या:.....तारीख .....में अन्तर्विष्ट निबंधनों और शर्तों और हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के उपबन्धों और तदधीन बनाए गए नियमों और जारी की गई अधिसूचनाओं और आदेशों का अनुपालन करूंगा /करूंगी ।
- (iv) मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करती हूँ कि होटल जिसकी बाबत विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट का आवेदन किया है एक "नया होटल" है और इसे पुनर्स्थापन, केवल स्वामित्व के परिवर्तन, गठन में परिवर्तन या पुनर्निर्माण अथवा किसी विद्यमान होटल के पुनर्प्रवर्तन के परिणाम स्वरूप बनाया नहीं गया है ।

आवेदक के हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

नाम \_\_\_\_\_

हैसियत \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

-----

(जो लागू नहीं है उसे काट दें ।)

### प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-II

( पैरा 3 (iv) देखें)

#### प्रमाण पत्र

संख्या:

1. प्रमाणित किया जाता है कि.....(होटल का नाम और पूर्ण पता)  
.....जिसका/जिसके स्वत्वधारी/स्वामी, भागीदार श्री/श्रीमती  
.....है/हैं को रजिस्ट्रीकरण संख्या:.....तारीख  
.....द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में नए होटल के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया गया है ।

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उक्त होटल अधिनियम की धारा 6-ड के अधीन यथा विनिर्दिष्ट जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में अवस्थित है ।

3. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि.....से .....की  
अवधि के लिए अनुमोदित (i) निवास के लिए आवास(अकामडेशन) और (ii) अन्य प्रसुविधाओं के लिए दरें और प्रभार निम्न प्रकार से हैं:—

#### दरें और प्रभार

- (i) आवास के लिए निवास (अकामडेशन) रूपए
- (ii) अन्य प्रसुविधाएं रूपए

4. यह प्रमाण-पत्र.....से.....तक विधिमान्य होगा ।

5. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त विनिर्दिष्टयां आबकारी एवं कराधान विभाग के सत्यापन के अध्यक्षीन होंगी ।

हस्ताक्षर

(इस प्रमाण पत्र के जारी करने वाले अधिकारी की मुहर सहित)

तारीख:

टिप्पण :

1. यह प्रमाण-पत्र निदेशक पर्यटन, हिमाचल प्रदेश, जिसके साथ नया होटल रजिस्ट्रीकृत है, द्वारा हस्ताक्षरित और जारी किया जाएगा ।

2. जो लागू नहीं है उसे स्पष्टतया काट दें ।

### प्ररूप एल.टी.ई (टी एण्ड एच)-III

( पैरा 3 (अ) देखें)

### छूट का प्रमाण-पत्र

छूट प्रमाण-पत्र संख्या:.....

1. एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के अधीन रजिस्ट्रीकृत-----के नाम और अभिनाम में अवस्थित मैसर्ज-----, कार्यालय पता-----, होटल, जिसकी रजिस्ट्रीकरण संख्या----- विधिमान्यता की तारीख-----से-----तक है, और इसके अतिरिक्त प्ररूप एल.टी.ई (टी.एण्ड एच)-II संख्या----- तारीख-----में प्रमाण-पत्र धारक है हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 की धारा 6-ड के उपबन्धों के अनुसार विलास-वस्तु कर के संदाय से----- से-----तक की अवधि के लिए छूट का हकदार है ।

2. हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 की धारा 6-ड के उपबन्धों के अध्यक्षीन यह प्रमाण-पत्र निम्नलिखित वर्णित अवधि के लिए विधिमान्य है:—

क्रम संख्या	से तक की अवधि के लिए	सैद्धान्तिक/वास्तविक विलास-वस्तु कर की प्रसुविधा की मात्रा	निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर	प्रमाण-पत्र धारक का नाम और हस्ताक्षर
1	2	3	4	5

मुहर

प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निर्धारण  
प्राधिकारी के हस्ताक्षर

जारी करने की तारीख.....नाम.....स्थान.....  
जिला.....

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित /—  
अतिरिक्त मुख्य सचिव (आबकारी एवं कराधान)।

[Authoritative English text of Government Notification No. EXN-F(6)-1/2004-Loose-I dated 23.02.2016 as required under clause(3) of Article 348 of the Constitution of India.]

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-2, the 23<sup>rd</sup> February, 2016*

**No. EXN-F(6)-1/2004-Loose-I.**—WHEREAS the Governor of Himachal Pradesh is of the opinion that with a view to promote tourism in the Tribal and Hard areas in the State of Himachal Pradesh it is necessary and expedient in the public interest to frame and notify a scheme which may provide for exemption from payment of Luxury Tax to the registered proprietors of new hotels in such areas which come into operation after 1st April, 2012 for a period of ten years from the date the hotels commences operation;

NOW THEREFORE, in the exercise of the powers conferred by section 6-E of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries(In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979(Act No. 15 of 1979), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to frame the following scheme and to exempt the registered proprietors of new hotels in Tribal and Hard areas from payment of Luxury tax for a period of ten years which came into operation after 1st April, 2012 subject to such restrictions and conditions as specified in this scheme:—

**1. Short title, commencement.**—(1) This Scheme may be called the Himachal Pradesh Exemption from payment of Luxury Tax (by the Registered Proprietors of New Hotels in Tribal and Hard Areas) Scheme, 2016

(2) It shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

(3) It shall apply in the tribal and hard areas as specified in section 6-E of the Act.

**2. Definition.**—(1) In this Scheme unless the context otherwise requires,—

- (a) 'Act' means the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotels and Lodging Houses) Act, 1979;
- (b) 'Director' means the Director of Tourism Himachal Pradesh;
- (c) 'Form' means a form appended to this Scheme; and
- (d) 'new hotel' means a hotel which came into operation after 1st April, 2012 in the tribal and hard areas as specified under section 6-E.

(2) All other words and expressions used herein but not defined shall have the same meaning respectively as assigned to them in the Act.

**3. Admissibility of exemption.**—(1) The exemption from payment of luxury tax shall be admissible to a new hotel in the tribal and hard areas only if-

- (i) it came into operation after 1st April, 2012;
- (ii) it is registered under the Act with the Tourism Department, Himachal Pradesh;
- (iii) the proprietor makes an application in Form L.T.E.(T&H)-I to the Assessing Authority for exemption from Luxury Tax;
- (iv) the proprietor has obtained a certificate in Form L.T.E.(T&H)-II from the Director and furnished the same to the Assessing Authority for grant of Exemption Certificate in Form L.T.E.(T&H)-III; and
- (v) the proprietor has obtained from the Assessing Authority an Exemption Certificate in Form L.T.E.(T&H)-III.
- (vi) the infrastructure so created is of permanent nature; and
- (vii) the proprietor of the new hotel complies with all the provisions of the Act and rules made thereunder.

(2) The exemption certificate issued in Form L.T.E.(T&H)-III shall be for a period of ten years or for such period as mentioned in form L.T.E.(T&H)-II from the date the hotel starts functioning. The certificate in Form L.T.E.(T&H)-III shall remain valid until it is not cancelled or withdrawn by the Director, Tourism.

(3) No proprietor of such new hotels shall during the exemption period collect any sum by way of luxury tax for the luxury provided in such new hotels. Notwithstanding anything contained in this Scheme, the Assessing Authority may suo-motu or on receipt or a report or complaint and after affording an opportunity of being heard to the concerned proprietor of the new hotel, if he is satisfied that any of the provisions of the Act and the rules thereunder including any of the condition specified in this Scheme has been contravened, the Assessing Authority may take action under the provisions of the Act and the rules made thereunder as if this Scheme was not in existence.

(4) No exemption under this scheme shall be available to the existing hotels which have been re-established, has made any change of ownership, change in the constitution, reconstruction, expansion or revival of the existing hotel.



**FORM L.T.E.(T&H)-I****(See Para 3(iii))****APPLICATION FORM FOR THE GRANT OR RENEWAL OF EXEMPTION  
CERTIFICATE**

To

The .....  
.....

Sir,

In accordance with the provisions of section 6-E of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotels and Lodging Houses) Act, 1979 and the rules framed thereunder I,.....(Name), aged.....Son/daughter /wife of Sh.....resident of .....Proprietor/Partner/Managing Director/Manager.....of the new hotel as mentioned hereunder apply for the grant/renewal of certificate in form L.T.E(T&H)-III and hereby declare as under:—

- 1 (a) Name and complete address of the M/s .....  
Proprietor/Partner/Managing Director/Manager etc. Place .....  
of the Tribal and Hard area unit alongwith its Registration No.....  
registration certificate No. under the Himachal Date of  
Pradesh Tax on Luxuries (In Hotels and Lodging validity.....  
Houses) Act, 1979 with date of validity.
- (b) Number with date of issue of the certificate in No .....  
Form L.T.E(T&H)-II Date.....
- (c) Period of exemption applied for Years and months (in words)  
From.....to.....
- (d) Description of hotel, facilities and services .....  
provided therein:- .....
- (i) The name of the unit together with its .....  
location .....
- (ii) What class or classes of accommodation are .....  
provided for monetary consideration .....
- (iii) Number of rooms available in each class of .....  
accommodation .....
- (iv) Rent fixed room wise under the Himachal .....  
Pradesh Tourism Development and .....  
Registration Act, 2002 if any .....
- (v) Item of boarding provided to the visitor:
- (a) Bed tea

- (b) Break fast
- (c) Lunch
- (d) Evening tea
- (e) Dinner
- (f) Any other special item
- (vi) Charges for items mentioned in clause(v) above .....  
when these are sold to persons staying in the Hotel .....
- (vii) The script in which the accounts are kept .....
- (e) Estimated gross turnover of charges for the current .....  
year under the Himachal Pradesh tax on Luxuries  
(In Hotels and Lodging Houses) Act, 1979 Total Turnover
- (f) Luxury tax liability exemption for the current year .....  
under the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Amount Rs .....  
Hotel and Lodging Houses) Act, 1979
- 2 (i) \* I hereby opt for availing the exemption from payment of Luxury tax for period  
admissible under section 6-E of the said Act.
- (ii) I hereby state that the unit satisfies all the conditions essential for issuance of  
certificate in L.T.E.(T&H)-III
- (iii) I hereby undertake that I shall abide by the terms and condition contained in  
Notification No. ....dated .....and the provisions  
of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries(In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979,  
and the rules framed and the notifications and orders issued thereunder.
- (iv) I hereby certify that the hotel in respect of which exemption from luxury tax has been  
applied for is a “new hotel” and has not been formed as a result of re-establishment,  
mere change of ownership, change in the constitution, re-construction or revival of an  
existing hotel.

Signature of the Applicant.....

Name.....

Status .....

Date .....

## FORM L.T.E.(T&amp;H)-II

(See Para 3(iv))

**CERTIFICATE**

No.....

1. This is to certify that .....(name and full address of the hotel).....The proprietor/owner/partner/whereof is/ are Shri /Shrimati .....is/are registered as a new hotel in the office of the undersigned against Registration No.....dated.....

2. This is also certify that the said hotel is located in Tribal and Hard area as specified under section 6-E of the Act.

3. This is also certify that the rates and charges for (i) accommodation for residence and

(ii) other amenities approved for the period from .....to ..... are:-

**Rates and Charges**

- |                                |     |
|--------------------------------|-----|
| i) Accommodation for residence | Rs. |
| ii) Other amenities            | Rs. |

4. This certificate shall be valid from .....to .....

5. This is also certified that above particulars shall be subject to verification by the Excise and Taxation Department.

Dated: .....

Signature  
(with stamp of the Officer  
Signing this certificate)

**Note:-**

1. This certificate shall be signed and issued by the Director of Tourism Himachal Pradesh.

2. Strike out clearly which is not applicable.

## FORM L.T.E.(T&amp;H)-III

(See Para 3(v))

**EXEMPTION CERTIFICATE**

Exemption Certificate No. ....

1. It is hereby certified that the hotel in the name and style of M/s.....situated at .....office address.....situated at.....office

address.....registered under the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979 under Registration Certificate No. ....with date of validity from .....to.....and further holding certificate in Form L.T.E (T&H)-II bearing No. .... dated .....is entitled to avail of exemption from the payment of luxury tax in accordance with the provisions of section 6-E of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries(In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979 for a period from.....to .....

2. Subject to the provisions of section 6-E of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979 this certificate is valid for the period mentioned hereunder:—

Sr. No.	Period from.....to.....	Quantum of benefit of Notional/ Actual Luxury Tax	Signature of the Assessing Authority	Signature and name of the holder of the certificate
1	2	3	4	5

Seal

*Signature of the Assessing Authority  
Issuing the certificate*

Date of issue.....Name.....

Place..... District.....

By order,  
Sd/-

*Addl. Chief Secretary (E&T).*

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 फरवरी, 2016

**संख्या: ई. एक्स. एन.-एफ.(6)-1/2004-लूज-II**—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि हिमाचल प्रदेश राज्य में पिछड़ी पंचायतों में पर्यटन को बढ़ावा देने के दृष्टिगत लोकहित में एक स्कीम की विरचना करना और उसे अधिसूचित करना आवश्यक और समीचीन है जो ऐसे क्षेत्रों में नए होटलों, जो प्रथम अप्रैल, 2013 के पश्चात् प्रचालन में आए हैं, के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों को, होटल के प्रचालन में आने की तारीख से, दस वर्ष की अवधि के लिए विलास-वस्तु कर का संदाय करने से छूट देने का उपबन्ध कर सके;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 (1979 का अधिनियम संख्यांक 15) की धारा 6-ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्कीम की विरचना करते हैं और पिछड़ी पंचायतों में नए होटलों, जो प्रथम अप्रैल, 2013 के

पश्चात् प्रचालन में आए हैं, के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों को, ऐसे निर्बन्धनों और शर्तों, जैसी इस स्कीम में विनिर्दिष्ट की जाएं, के अधीन, दस वर्ष की अवधि के लिए विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट प्रदान करते हैं:—

### स्कीम

**1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और विस्तार.**—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (पिछड़ी पंचायतों में नए होटलों के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों द्वारा) विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट स्कीम, 2016 है।

(2) यह स्कीम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

(3) यह स्कीम अधिनियम की धारा 6-ड में यथा विनिर्दिष्ट राज्य सरकार के योजना विभाग द्वारा यथा अधिसूचित पिछड़ी पंचायतों में लागू होगी।

**2. परिभाषाएं.**—(1) इस स्कीम में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 अभिप्रेत है;
- (ख) “पिछड़ी पंचायत” से हिमाचल प्रदेश सरकार के योजना विभाग द्वारा समय-समय पर इस रूप में सम्यक् रूप से अधिसूचित पंचायत अभिप्रेत है;
- (ग) “निदेशक” से निदेशक पर्यटन, हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है;
- (घ) “प्ररूप” से इस स्कीम से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है; और
- (ङ) “नया होटल” से ऐसा होटल अभिप्रेत है, जो धारा 6-ड के अधीन यथाविनिर्दिष्ट पिछड़ी पंचायत में प्रथम अप्रैल, 2013 के पश्चात् प्रचालन में आया है।

(2) उन समस्त शब्दों और पदों के जो इसमें प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः उनके हैं।

**3. छूट की स्वीकार्यता.**—(1) विलास-वस्तु कर का संदाय करने से छूट पिछड़ी पंचायतों में नए होटलों के लिए केवल तभी अनुज्ञेय होगी यदि,—

- (i) यह प्रथम अप्रैल, 2013 के पश्चात् प्रचालन में आए है;
- (ii) यह अधिनियम के अधीन पर्यटन विभाग, हिमाचल प्रदेश के साथ रजिस्ट्रीकृत है;
- (iii) स्वत्वधारी, विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट के लिए निर्धारण अधिकारी को प्ररूप एल.टी.ई.(बी पी)—I पर आवेदन करता है;
- (iv) स्वत्वधारी ने प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)—II पर निदेशक से प्रमाण-पत्र अभिप्राप्त किया है और उसे प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)—III पर निर्धारित प्राधिकारी को छूट (रियायत) प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए प्रस्तुत किया है;
- (v) इस प्रकार स्थापित अवसंरचना स्थायी प्रकृति की है; और
- (vi) स्वत्वधारी ने प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)—III पर निर्धारण प्राधिकारी से छूट प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया है; और
- (vii) नए होटल का स्वत्वधारी, अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के समस्त उपबन्धों का अनुपालन करता है।

(2) प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-III पर जारी किया गया छूट प्रमाण-पत्र, होटल के प्रचालन में आने की तारीख से दस वर्ष की अवधि अथवा ऐसी अवधि के लिए होगा जैसी प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-III पर वर्णित की जाए । प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-III पर प्रमाण पत्र तब तक विद्यमान्य रहेगा जब तक इसे रद्द न किया जाए या निदेशक द्वारा वापिस न ले लिया जाए; और

(3) ऐसे नए होटल का कोई स्वत्वधारी छूट की अवधि के दौरान ऐसे नए होटल में उपलब्ध करवाई गई बिलास-वस्तु के लिए विलास-वस्तु कर के रूप में किसी रकम का संग्रहण नहीं करेगा । इस स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्धारण प्राधिकारी का स्वप्रेरणा से या किसी रिपोर्ट या परिवाद की प्राप्ति पर और नए होटल के सम्बद्ध स्वत्वधारी को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह समाधान हो जाता है कि इस स्कीम में विनिर्दिष्ट किसी शर्त सहित अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन हुआ है तो निर्धारण प्राधिकारी अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अधीन कार्रवाई कर सकेगा मानो यह स्कीम अस्तित्व में ही नहीं थी।

(4) इस स्कीम के अधीन विद्यमान होटलों, जो पुनर्स्थापित किए गए हैं; जिनमें केवल स्वामित्व का परिवर्तन किया गया है, जिनके गठन में परिवर्तन किया गया है, जिनका पुनर्निर्माण किया गया है, जिनका विस्तार किया गया है या किसी विद्यमान होटल को पुनः प्रवर्तित किया है, को कोई छूट नहीं होगी ।

### प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-I ( पैरा 3 (iii) देखें)

छूट प्रमाण-पत्र को प्रदान करने या नवीकृत करने के लिए आवेदन का प्ररूप

सेवा में,

-----  
-----

महोदय,

हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 की धारा 6-ड और तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार मैं----- (नाम), आयु ----- सपुत्र/सुपुत्री/पत्नी श्री -----निवासी-----इसमें नीचे यथा वर्णित नए होटल का स्वत्वधारी/भागीदार/प्रबन्ध निदेशक/प्रबन्धक-----प्ररूप प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-III पर छूट प्रमाण-पत्र को प्रदान करने/नवीकृत करने के लिए आवेदन करता हूँ तथा एतद् द्वारा निम्न घोषणा करता हूँ/करती हूँ :-

A. (क) हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के अधीन पिछड़ी पंचायत क्षेत्र इकाई के स्वत्वधारी/भागीदार/प्रबन्ध निदेशक/प्रबन्धक आदि का विद्यमान्यता की तारीख सहित इसके रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्याके साथ-साथ नाम और पूरा पता

मैसर्ज-----  
स्थान-----  
रजिस्ट्रीकरण-----  
संख्या-----  
विद्यमान्यता की तारीख-----

- (ख) प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-II पर प्रमाण-पत्र जारी करने की तारीख सहित संख्या संख्या-----  
तारीख-----
- (ग) आवेदित छूट की अवधि वर्ष और मास (शब्दों में)-----से  
----- तक ।
- (घ) होटल का विवरण, उसमें उपलब्ध करवाई गई प्रसुविधाएं और सेवाएं:-----  
-----
- (i) इसकी इकाई का अवस्थिति के साथ नाम -----
- (ii) आवास की कौन सी श्रेणी/श्रेणियां आर्थिक प्रतिफल के लिए उपलब्ध है -----
- (iii) आवास की प्रत्येक श्रेणी में उपलब्ध कमरों की संख्या -----
- (iv) हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2002 के अधीन कक्ष वार नियत भाड़ा, यदि कोई हो -----
- (v) आगन्तुक को उपलब्ध करवाई गई बोर्डिंग की वस्तुएं (आइटमज) -----
- (क) प्रातः कालीन चाय  
(ख) नाश्ता  
(ग) दोपहर का भोजन  
(घ) सांयकालीन चाय  
(ङ) रात का भोजन  
(च) कोई अन्य विशेष वस्तु (आइटम)
- (vi) उपरोक्त खण्ड (अ) में वर्णित वस्तुओं के प्रभार जब ये होटल में ठहरे व्यक्तियों को विक्रीत की गई हों -----
- (vii) आलेख जिसमें लेखे रखे गए -----
- (ङ) हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के अधीन चालू वर्ष के लिए प्रभारों का अनुमानित सकल आवर्त -----  
कुल आवर्त
- (च) हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के अधीन चालू वर्ष के लिए विलास-वस्तु कर दायित्व रकम-----रूपए

2. (i) मैं एतद् द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6-ङ के अधीन अनुज्ञेय अवधि के लिए विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट प्राप्त करने के लिए विकल्प देता हूँ।

- (ii) मैं एतद् द्वारा कथन करता हूँ/करती हूँ कि इकाई एल.टी.ई (बी पी)-III में प्रमाण-पत्र को जारी करने के लिए अनिवार्य समस्त शर्तों को पूर्ण करती है ।
- (iii) मैं एतद् द्वारा वचन देता हूँ/देती हूँ कि मैं अधिसूचना संख्या:.....तारीख ..... में अन्तर्विष्ट निबंधनों और शर्तों और हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के उपबन्धों और तद्धीन बनाए गए नियमों और जारी की गई अधिसूचनाओं और आदेशों का अनुपालन करूंगा/करूंगी ।
- (iv) मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करती हूँ कि होटल जिसकी बाबत विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट का आवेदन किया है एक " नया होटल" है और इसे पुनर्स्थापन, केवल स्वामित्व के परिवर्तन, गठन में परिवर्तन या पुनर्निर्माण अथवा किसी विद्यमान होटल के पुनर्प्रवर्तन के परिणाम स्वरूप बनाया नहीं गया है ।

आवेदक के हस्ताक्षर -----

नाम-----

हैसियत-----

तारीख-----

(जो लागू नहीं है उसे काट दें।)

-----

**प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-II**  
( पैरा 3 (iv) देखें)

**प्रमाण पत्र**

संख्या:

1. प्रमाणित किया जाता है कि -----(होटल का नाम और पूर्ण पता)-----जिसका/ जिसके स्वत्वधारी/स्वामी, भागीदार श्री/श्रीमती -----है/हैं को रजिस्ट्रीकरण संख्या:-----तारीख -----द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में नए होटल के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया गया है ।
2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उक्त होटल अधिनियम की धारा 6-ड के अधीन यथा विनिर्दिष्ट पिछड़ी पंचायत में अवस्थित है ।
3. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि -----से-----की अवधि के लिए अनुमोदित (i) निवास के लिए आवास(अकामडेशन) और (ii) अन्य प्रसुविधाओं के लिए दरें और प्रभार निम्न प्रकार से हैं:-

**दरें और प्रभार**

- |                                  |      |
|----------------------------------|------|
| (i) आवास के लिए निवास (अकामडेशन) | रूपए |
| (ii) अन्य प्रसुविधाएं            | रूपए |



4. यह प्रमाण-पत्र -----से-----तक विधिमान्य होगा।
5. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त विनिर्दिष्टयां आबकारी एवं कराधान विभाग के सत्यापन के अधधीन होगी।

हस्ताक्षर

( इस प्रमाण पत्र को जारी करने वाले  
अधिकारी की मुहर सहित)

तारीख:

टिप्पण :

1. यह प्रमाण-पत्र निदेशक पर्यटन, हिमाचल प्रदेश, जिसके साथ नया होटल रजिस्ट्रीकृत है, द्वारा हस्ताक्षरित और जारी किया जाएगा।
2. जो लागू नहीं है उसे स्पष्टतया काट दें।

प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-III  
( पैरा 3 (vi) देखें)

छूट का प्रमाण-पत्र

छूट प्रमाण-पत्र संख्या:.....

1. एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 के अधीन रजिस्ट्रीकृत -----के नाम और अभिनाम में अवस्थित कार्यालय पता -----, होटल, जिसकी रजिस्ट्रीकरण संख्या -----विधिमान्यता की तारीख -----से-----तक है, और इसके अतिरिक्त प्ररूप एल.टी.ई (बी पी)-II, संख्या-----तारीख -----में प्रमाण -पत्र धारक हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 की धारा 6-ड के उपबन्धों के अनुसार विलास-वस्तु कर के संदाय से -----से-----तक की अवधि के लिए छूट का हकदार है।
2. हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 की धारा 6-ड के उपबन्धों के अधधीन यह प्रमाण-पत्र निम्नलिखित वर्णित अवधि के लिए विधिमान्य है:-

क्रम संख्या	-----से -----तक की अवधि के लिए	सैद्धान्तिक/वास्तविक विलास-वस्तु कर की प्रसुविधा की मात्रा	निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर	प्रमाण-पत्र धारक का नाम और हस्ताक्षर
1.	2.	3.	4.	5.

मुहर

प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निर्धारण  
प्राधिकारी के हस्ताक्षर

जारी करने की तारीख-----नाम-----स्थान-----  
जिला-----

आदेश द्वारा,  
अतिरिक्त मुख्य सचिव (आबकारी एवं कराधान),  
हिमाचल प्रदेश सरकार ।

*[Authoritative English text of the Government Notification No. EXN-F(6)-1/2004-Loose-II dated 23.02.2016 as required under clause(3) of Article 348 of the Constitution of India.]*

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-2, the 23rd February, 2016*

**No. EXN-F(6)-1/2004-Loose-II**—WHEREAS the Governor of Himachal Pradesh is of the opinion that with a view to promote tourism in the Backward Panchayats in the State of Himachal Pradesh, it is necessary and expedient in the public interest to frame and notify a scheme which may provide for exemption from payment of Luxury Tax to the registered proprietors of new hotels in such areas which come into operation after 1st April, 2013 for a period of ten years from the date the hotels commences operation;

NOW THEREFORE, in the exercise of the powers conferred by section 6-E of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries(In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979(Act No. 15 of 1979), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to frame the following scheme and to exempt the registered proprietors of new hotels in the Backward Panchyats from payment of Luxury tax for a period of ten years which come into operation after 1<sup>st</sup> April, 2013 subject to such restrictions and conditions as specified in this scheme:—

**1. Short title, commencement.**—(1) This Scheme may be called the Himachal Pradesh Exemption from payment of Luxury Tax (by the Registered Proprietors of New Hotels in Backward Panchayats) Scheme, 2016.

(2) It shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

(3) It shall apply in the Backward Panchayats as notified by the Planning Department of the State Government as specified in section 6-E of the Act.

**2. Definition.**—(1) In this Scheme, unless the context otherwise requires,—

- (a) ‘Act’ means the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotels and Lodging Houses) Act, 1979;
- (b) ‘Backward Panchayat’ means a panchayat duly notified as such by the Planning Department of the Government of Himachal Pradesh from time to time;
- (c) ‘Director’ means the Director of Tourism Himachal Pradesh;
- (d) ‘Form’ means a form appended to this Scheme; and

- (e) 'new hotel' means a hotel which come into operation after 1st April, 2013 in the Backward Panchayat as specified under section 6-E.

(2) All other words and expressions used herein but not defined shall have the same meaning respectively as assigned to them in the Act.

**3. Admissibility of exemption.**—(1) The exemption from payment of luxury tax shall be admissible to the new hotels in the backward panchayats only if,—

- (i) it come into operation after 1st April, 2013;
- (ii) it is registered under the Act with the Tourism Department, Himachal Pradesh;
- (iii) the proprietor makes an application in Form L.T.E.(BP)-I to the Assessing Authority for exemption from Luxury Tax;
- (iv) the proprietor has obtained a certificate in Form L.T.E.(BP)-II from the Director and furnished the same to the Assessing Authority for grant of Exemption Certificate in Form L.T.E.(BP)-III;
- (v) the infrastructure so created is of permanent nature;
- (vi) the proprietor has obtained from the Assessing Authority and Exemption Certificate in Form L.T.E.(BP)-III; and
- (vii) the proprietor of the new hotel complies with all the provisions of the Act and the rules made thereunder.

(2) The exemption certificate issued in Form L.T.E.(BP)-III shall be for a period of ten years or for such period as mentioned in form L.T.E.(BP)-III from the date the hotel starts functioning. The certificate in Form L.T.E.(BP)-III shall remain valid until it is not cancelled or withdrawn by the Director; and

(3) No proprietor of such new hotels shall during the exemption period collect any sum by way of luxury tax for the luxury provided in such new hotels. Notwithstanding anything contained in this Scheme, the Assessing Authority may suo-motu or on receipt of a report or complaint and after affording an opportunity of being heard to the concerned proprietor of the new hotel, if he is satisfied that any of the provisions of the Act and the rules made thereunder including any of the condition specified in this Scheme has been contravened, the Assessing Authority may take action under the provisions of the Act and the rules made thereunder as if this Scheme was not in existence.

(4) No exemption under this Scheme shall be available to the existing hotels which have been re-established, has made mare change of ownership, change in the constitution, re-construction, expansion or revival of the existing hotel.

**FORM L.T.E.(BP)-I**  
(See Para 3(iii))

**APPLICATION FORM FOR THE GRANT OR RENEWAL OF EXEMPTION  
CERTIFICATE**

To

The .....

.....

Sir,

In accordance with the provisions of section 6-E of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotels and Lodging Houses) Act, 1979 and the rules framed thereunder I,..... (Name), aged.....Son/daughter /wife of Sh.....resident of .....Proprietor/Partner/Managing Director/Manager.....of the new hotel as mentioned hereunder apply for the grant/renewal of certificate in form L.T.E(BP)-III and hereby declare as under:-

- 1 (a) Name and complete address of the Proprietor/Partner/Managing Director/Manager etc. of the Backward Panchayat area unit alongwith its registration certificate No. under the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotels and Lodging Houses) Act, 1979 with date of validity
 

	M/s .....
	Place .....
	Registration No.....
	Date of validity.....
- (b) Number with date of issue of the certificate in Form L.T.E(BP)-II
 

	No .....
	Date.....
- (c) Period of exemption applied for
 

	Years and months (in words)
	From.....to.....
- (d) Description of hotel, facilities and services provided therein:-
 

	.....
	.....
- (i) The name of the unit together with its location
 

	.....
	.....
- (ii) What class or classes of accommodation are provided for monetary consideration
 

	.....
	.....
- (iii) Number of rooms available in each class of accommodation
 

	.....
--	-------
- (iv) Rent fixed room wise under the Himachal Pradesh Tourism Development and Registration Act, 2002 if any
 

	.....
	.....
- (v) Item of boarding provided to the..... visitor:
 

(a) Bed tea	
(b) Break fast	
(c) Lunch	
(d) Evening tea	
(e) Dinner	
(f) Any other special item	
- (vi) Charges for items mentioned in clause(v) above when these are sold to persons staying in the Hotel
 

	.....
--	-------

- (vii) The script in which the accounts .....  
are kept
- (e) Estimated gross turnover of charges for .....  
the current year under the Himachal  
Pradesh tax on Luxuries (In Hotels and  
Lodging Houses) Act, 1979 Total Turnover
- (f) Luxury tax liability exemption for the .....  
current year under the Himachal Pradesh  
Tax on Luxuries (In Hotel and Lodging  
Houses) Act, 1979 Amount Rs .....

2 (i) \* I hereby opt for availing the exemption from payment of Luxury tax for period admissible under section 6-E of the said Act.

(ii) I hereby state that the unit satisfies all the conditions essential for issuance of certificate in L.T.E.(BP)-III

(iii) I hereby undertake that I shall abide by the terms and condition contained in Notification No. ....dated .....and the provisions of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries(In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979, and the rules framed and the notifications and orders issued thereunder.

(iv) I hereby certify that the hotel in respect of which exemption from luxury tax has been applied for is a “new hotel” and has not been formed as a result of re-establishment, mere change of ownership, change in the constitution, re-construction or revival of an existing hotel.

Signature of the Applicant.....  
Name.....  
Status .....  
Date .....

\*(Strike out whichever is not applicable)

**FORM L.T.E.(BP)-II**  
**(See Para 3(iv))**

**CERTIFICATE**

No.....

1. This is to certify that .....(name and full address of the hotel).....The proprietor/owner/partner/whereof is/ are Shri/ Shrimati .....is/are registered as a new hotel in the office of the undersigned against Registration No.....dated.....

2. This is also certify that the said hotel is located in backward panchayat area as specified under section 6-E of the Act.

3. This is also certify that the rates and charges for (i) accommodation for residence and

(ii) other amenities approved for the period from .....to ..... are:-

**Rates and Charges**

- i) Accommodation for residence Rs.  
 ii) Other amenities Rs.

4. This certificate shall be valid from .....to .....

5. This is also certified that above particulars shall be subject to the verification by the Excise and Taxation Department.

Dated: .....

Signature  
 (with stamp of the Officer  
 Signing this certificate)

Note:-

1. This certificate shall be signed and issued by the Director of Tourism, the Himachal Pradesh with whom the new hotel is registered.

2. Strike out clearly which is not applicable.

**FORM L.T.E.(BP)-III**  
 (See Para 3(vi))

**EXEMPTION CERTIFICATE**

Exemption Certificate No. ....

1. It is hereby certified that the hotel in the name and style of M/s.....  
 .....situated at .....office address .....  
 .....registered under the Himachal Pradesh Tax on  
 Luxuries (In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979 under Registration Certificate No.....  
 .....with date of validity from.....to .....and further holding  
 certificate in Form L.T.E (BP)-II bearing No. .... dated .....is entitled to  
 avail of exemption from the payment of luxury tax in accordance with the provisions of section 6-E  
 of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries(In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979 for a period  
 from .....to .....

2. Subject to the provisions of section 6-E of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (In Hotel and Lodging Houses) Act, 1979 this certificate is valid for the period mentioned as under:-

Sr No	Period from.....to.....	Quantum of benefit of Notional/ Actual Luxury Tax	Signature of the Assessing Authority	Signature and name of the holder of the certificate

Seal

Signature of the Assessing Authority  
 Issuing the certificate

Date of issue.....Name.....Place.....

District.....

By order

Sd/-

*Addl. Chief Secretary (E&T).***INFORMATION & PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT****NOTIFICATION***Dated: 16<sup>th</sup> February, 2016*

**No. Pub-A (3)-1/2015.**—In supersession of this department Notification No. Pub A (3)-1/2002, dated 18.9.2002, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules for the accreditation and recognition of Press correspondents in Himachal Pradesh.

**1. Short title and Commencement.**— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh Press correspondents Accreditation and Recognition Rules, 2016 (2) These rules shall come into force with effect from the date of their publication in the Rajptra, Himachal Pradesh or e-Gazette.

**2. Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) **"Accredited Correspondent"** means a correspondent who has been granted accreditation in accordance with the procedure specified by these rules;
- (b) **"Director"** means the Director of Information and Public Relations Department Himachal Pradesh;
- (c) **"Editor"** means a person who is declared as Editor under the Press and Registration of Books Act, 1867;
- (d) **"Government"** means the Government of Himachal Pradesh;
- (e) **"Leading Daily Newspaper"** means a daily newspaper having circulation more than 60,000 copies as per the Registrar of Newspaper for India (RNI)/Audit Bureau of Circulations (ABC) of India/Directorate of Advertising and Visual Publicity (DAVP), Government of India; out of which 10,000 copies circulation shall be in Himachal Pradesh, newspaper concerned shall be published daily and without days break between one edition and another and shall have completed atleast one year of its regular publication. Provided that the Press correspondents of the leading daily newspaper published from Delhi, Jalandhar, Chandigarh and Himachal Pradesh shall be eligible for accreditation/recognition; combined circulation of the leading daily newspaper published from more than one centre shall be taken into account; each leading daily newspaper, irrespective of the number of places it is published from, shall be considered as one newspaper only;

- (f) **"News Agency"** means an agency for collection and dissemination of news on All India basis at National or International level through their own teleprinter/scanner/or any other electronic network. While considering an application of a correspondent of a news agency, due weightage to the following matters in regard to the news agency in question shall be given: - (a) Nature, standing and type of news agency. (b) Method of distribution of its service; and (c) Centers of Newspapers served by the news agencies. Accreditation shall be restricted to the press correspondents of news/feature agencies of atleast two years standing and news agency shall have annual revenue above Rs. one crore. The press correspondents of news agencies having annual revenue more than Rs. Five lakh and less than Rs. One crore may be considered for recognition. The press correspondents of Electronic News Agencies shall be considered for accreditation provided that the agency has sufficient network, standing and other conditions like Contribution towards Provident Fund etc. are satisfied. The eligibility shall be on the following conditions: (a) A minimum annual revenue of Rs. Twenty five lakh from news clips etc. (b) Should supply news clips to atleast five subscribing satellite Television (TV)/Radio organizations on regular basis. The press correspondents of electronic news agencies having annual revenue more than Rs. Five lakh and less than Rs. Twenty five lakh may be considered for recognition;
- (g) **"Other Daily Newspaper"** means a daily newspaper having circulation more than 25,000 copies as per Registrar of Newspaper for India (RNI)/Audit Bureau of Circulations (ABC) of India/Directorate of Advertising and Visual Publicity (DAVP), Government of India; out of which 3,000 copies circulation shall be in Himachal Pradesh as certified by the Director (I&PR) and shall have completed atleast one years of its regular publication. In case the daily newspaper is of national importance, the Press Accreditation Committee may consider and waive off the condition regarding circulation in Himachal Pradesh. In case of small daily newspapers, their combined circulation may be taken into consideration, if request is made for accreditation for a common correspondent or a correspondent himself seeks accreditation jointly on their behalf. Provided that the Press correspondents of the other daily newspaper published from Delhi, Jalandhar, Chandigarh and Himachal Pradesh shall be eligible for accreditation/recognition; combined circulation of the other daily newspaper published from more than one centre shall be taken into account; each other daily newspaper, irrespective of the number of places it is published from, shall be considered as one newspaper only;
- (h) **"Other Television (TV) News Channels/Stations"** shall include National Level Electronic/Satellite Television News Channel which telecast news, news related programme 24 hours in a day and covering Himachal Pradesh also. This shall also include the Television/Radio News Producing Organizations having air time arrangements with Channels/Stations having atleast one news bulletin/programme of minimum 15 minutes duration per day; satellite news channels dedicating 15 % of its air time (i.e. atleast 3.5 hours of its in a day 24 hours cycle) to telecast/transmission of news and news related programme per day; news magazine producing organizations having telecast/broadcast tie up with television channels/stations and telecast/broadcast a minimum total cumulative programme duration of 60 minutes per week on news and news related contents; Doordarshan Kendra, Shimla and All India Radio, Shimla or any other electronic medium of news dissemination;
- (i) **"Press Accreditation Committee"** means a committee set up by the Government under rule 8 of these rules;



- (j) **"Press Correspondent"** means a correspondent as defined in the Working Journalists (Conditions of Service) and Miscellaneous Provision Act, 1955, whose principal avocation is that of a Journalism and who is employed by a newspaper/news agency/television news channel/station either whole-time or part-time. This shall include an editor, writer, news editor, sub editor, featurewriter, reporter, correspondent, contractual Journalist, stringer, news photographer/photo journalist/cameraman, retainer, column basis, associate and representative etc. duly authorized by the Editor of newspaper or news agency and Director/Manager-Human Resource/Editor of the televisions news channel/station. This shall also include an Editor in case of weekly newspaper;
- (k) **"Recognized Correspondent"** means a correspondent who has been granted recognition in accordance with the procedure specified by the rules;
- (l) **"Television (TV) News Channel"** means a television news channels having its setup as well as its studio of requisite standards in the State and dedicating maximum of its air time for telecast/transmission of news and news related programme based on Himachal Pradesh and other neighbouring States; and
- (m) **"Weekly Newspaper"** means a weekly newspaper published from within the State of Himachal Pradesh. Provided that weekly shall be published without any break between one edition and other and shall have circulation not less than 5,000 copies as per Registrar of Newspaper for India (RNI)/Audit Bureau of Circulations (ABC) of India/Directorate of Advertising and Visual Publicity (DAVP), Government of India/District Magistrate of the District from where the weekly is being published. The weekly newspaper having completed at least one year of its regular publication shall be considered for District Level Accreditation to its Editor under these rules from where the weekly newspaper is being published. The State Level Accreditation to the Editor of weekly newspaper published from within the State of Himachal Pradesh shall be considered provided it has more than five years of regular publication and Editor is also accredited at District level continuously for more than five years without any break. Provided that journalism is whole time profession of the Editor of weekly newspaper. The weekly newspaper published from within the State of Himachal Pradesh, having circulation above 2,000 copies and less than 5,000 copies shall be considered for District level Recognition to its Editor from where the weekly newspaper is being published;

**3. Grant of State Level Accreditation/Recognition.**—(1) The Editor or Resident Editor, whose name has been printed on the print line of a reputed and well established National/Regional daily newspapers including Editor/Resident Editor of news agencies and television news channels posted in Himachal Pradesh and having his/her residence in Himachal Pradesh shall be given accreditation at State Level; irrespective of accreditation to their press correspondents.

(2) Apart from sub rule (1) of these rules, the News Editor of a leading daily newspaper posted in Himachal Pradesh and having his/her residence in Himachal Pradesh shall be given accreditation at State Level.

(3) The Press Accreditation and Recognition to press correspondents shall be given as under:—

**(i) State Level Accreditation (leading daily newspaper)**

- (a) Two press correspondents.

(b) One photographer.

**(ii) State Level Recognition (leading daily newspaper)**

(a) One correspondent.

(b) One photographer.

**(iii) State Level Accreditation (other daily newspaper)**

(a) Two press correspondents/photographer.

**(iv) State Level Recognition (other daily newspaper)**

(a) One correspondent/photographer.

**(v) State Level Accreditation (weekly newspaper)**

(a) One only to Editor of weekly newspaper.

**(vi) State Level Recognition (weekly newspaper)**

(a) One only to Editor of weekly newspaper.

**(vii) State Level Accreditation (news agency)**

(a) Two press correspondents.

(b) One photographer/cameraman.

**(viii) State Level Recognition (news agency)**

(a) One correspondent/photographer/cameraman.

**(ix) State Level Accreditation (International news agency)**

(a) One correspondent/photographer/cameraman of International news agency posted anywhere in Himachal Pradesh and having his/her residence in Himachal Pradesh shall be given accreditation at State Level.

**(x) State Level Accreditation (Doordarshan and All India Radio, Shimla)**

(a) Two press correspondents.

**(xi) State Level Recognition (Doordarshan and All India Radio, Shimla)**

(a) Two cameramen.

**(xii) State Level Accreditation (television news channels having its studio in the State)**

(a) Two Press correspondents.

---

**(xiii) State Level Recognition (television news channels having its studio in the State)**

- (a) Two cameramen.

**(xiv) State Level Accreditation (other television news channels)**

- (a) One correspondent.

**(xv) State Level Recognition (other television news channels)**

- (a) One cameraman.

**(xvi) State Level Recognition (cable television network)**

- (a) Four press correspondents/cameramen.

**4. Grant of District Level Accreditation/Recognition.**

**(i) District Level Accreditation (leading daily newspaper)**

- (a) One correspondent.  
(b) One photographer.

**(ii) District Level Recognition (leading daily newspaper)**

- (a) One correspondent/photographer.

**(iii) District Level Accreditation (other daily newspaper)**

- (a) One correspondent/photographer.

**(iv) District Level Recognition (other daily newspaper)**

- (a) One correspondent/photographer.

**(v) District Level Accreditation (weekly newspaper)**

- (a) One only to Editor of weekly newspaper.

**(vi) District Level Recognition (weekly newspaper)**

- (a) One only to Editor of weekly newspaper.

**(vii) District Level Accreditation (news agency)**

- (a) One correspondent/photographer/cameraman.

**(viii) District Level Recognition (news agency)**

- (a) One correspondent/photographer/cameraman.

**(ix) District Level Accreditation (Doordarshan and All India Radio, Shimla)**

(a) One correspondent/cameraman.

**(x) District Level Recognition (Doordarshan and All India Radio, Shimla)**

(a) One correspondent/cameraman.

**(xi) District Level Accreditation (television news channel having its studio in the State)**

(a) Two press correspondents/cameraman.

**(xii) District Level Recognition (television news channel having its studio in the State)**

(a) One correspondent/cameraman.

**(xiii) District Level Accreditation (other television news channels)**

(a) One correspondent.

**(xiv) District Level Recognition (other television news channels)**

(a) One cameraman.

**(xiv) District Level Recognition (cable television network)**

(a) Two press correspondents/cameraman.

**5. Grant of Sub Divisional Level Accreditation/Recognition.****(i) Sub Divisional Level Accreditation (leading daily newspaper)**

(a) One correspondent including those Sub Division whose Headquarter is at District Headquarter.

(b) One photographer.

**(ii) Sub Divisional Level Recognition (leading daily newspaper)**

(a) One correspondent/photographer.

**(iii) Sub Divisional Level Accreditation (other daily newspaper)**

(a) One correspondent/photographer including those Sub Division whose Headquarter is at District Headquarter.

**(iv) Sub Divisional Level Recognition (other daily newspaper)**

(a) One correspondent/photographer.

**(v) Sub Divisional Level Accreditation (television news channel having its studio in the State)**

- (a) One correspondent/cameraman including those Sub Division whose Headquarter is at District Headquarter.

**(vi) Sub Divisional Level Recognition (television news channel having its studio in the State)**

- (a) One correspondent/cameraman.

**(vii) Sub Divisional Level Accreditation (other television news channels)**

- (a) One correspondent/cameraman including those Sub Division whose Headquarter is at District Headquarter.

**(viii) Sub Divisional Level Recognition (other television news channels)**

- (a) One correspondent/cameraman.

**(ix) Sub Divisional Level Recognition (cable television network)**

- (a) One correspondent/cameraman.

**6. Procedure for Application for Accreditation/Recognition.**—(1) A Press Correspondent shall apply in the form-I attached to these rules alongwith two recent photographs.

(2) The application shall be made through the Editor of newspaper/news agency and Director/Manager Human Resource/Editor of electronic television news channel/station, of which he/she is an employee, to the Director in case of accreditation/recognition at the State level and through the District Public Relations Officer of the District and Sub division concerned in case of accreditation/recognition at District and Sub divisional level.

(3) The District Public Relations Officer shall forward the application to the Director with his comments. The District Public Relations Officer shall be competent to withhold an incomplete application and shall forward the same to the Director when the same is complete in all respects.

(4) The Director shall place all the complete applications before the Press Accreditation Committee alongwith his comments for decision.

**7. Condition for Accreditation/Recognition.**—The Press Correspondent of a newspaper/news agency/electronic television news channel/station shall fulfill the following condition for getting accreditation/recognition:—

- (a) his residence shall be at the headquarter of the State or the headquarter of the District or Sub-Division for which he seeks accreditation/recognition;
- (b) he shall be a working Journalist as defined by the Working Journalists (Conditions of Service) and Miscellaneous Provision Act, 1955 and shall be engaged as a whole time press correspondent/contractual journalist as defined in these rules for grant of accreditation at the State level or be a whole time/ part time press correspondent/contractual journalist/stringer/press-photographer/cameraman/column-basis/associate/representative and be at least in receipt of retainership as specified by the Wage Board for grant of accreditation at the District/Sub divisional level;

- (c) the press correspondent of a newspaper/news agency shall be drawing the wages in the category of his newspaper and news agency as per the wage board recommendations for working journalists and the relevant notification of the Ministry of Labour, Government of India. For this a certificate from the employer shall be attached along with the application;
- (d) at the time of application, the press correspondent shall have spent not less than three consecutive years in the profession of journalism and shall possess a sufficient experience;
- (e) a Press Correspondent shall not have been convicted by any Competent Court of Law for any offence involving moral turpitude or criminal activity during his profession. For this, press correspondent shall submit a self certified declaration in form-II attached with these rules. Further if Director (I&PR) consider necessary, the character/antecedent's verification of the press correspondent may also be done through concerned District Magistrate or Superintendent of Police; and
- (f) no accreditation/recognition shall be given for District level at State headquarter.

#### **8. Press Accreditation Committee.**

The Government may constitute a Press Accreditation Committee to which all matters relating to the accreditation or recognition of Press correspondents shall be referred and its decision shall be final. The Press Accreditation Committee shall be constituted for a period of three years and shall meet as often as required, if possible once in a year. The Press Accreditation Committee shall discharge the following functions, namely:—

- (a) The Press Accreditation Committee shall consists of Administrative Secretary of Information and Public Relations Department of Himachal Pradesh Government, as Chairperson; the Director (I&PR) as Member Secretary and members representing associations/organizations of working journalist/eminant media persons; or
- (b) grant of accreditation or recognition to press correspondents; or
- (c) regularization of provisional accreditation or recognition given by the Director (I&PR) to press correspondents; or
- (d) confirmation of existing regular accreditation or recognition of press correspondents.
- (e) disaccreditation or derecognition of accreditation/recognition of press correspondents.
- (f) confirmation of accreditation or recognition withdrawn by the Director (I&PR); and
- (g) to decide all the other matter related to accreditation or recognition of press correspondents.

**9. Two Type of Cards.**—There shall be two types of cards in different colours one denoting 'accredited' and the other denoting 'recognized'. The accreditation/recognition cards shall be given to only those press correspondents who fulfill the conditions as laid down in these rules.

**10. Facilities available to the Recognized correspondent.**— Recognized correspondent shall not be entitled to any facility except entry into the office of the Government, semi-government organizations only by invitation.

**11. Disaccreditation or Derecognition of Correspondent.**

(1) a correspondent shall be liable to be discredited/derecognized if,—

- (a) he commits any offence under the Press and Registration of Books Act, 1867; or
- (b) he uses information received and facilities accorded to him for a non-journalistic or illegal purposes; or
- (c) in the course of his duties as correspondent, he behaves in an undignified or unprofessional manner or commits an offence involving moral turpitude; or
- (d) he engages himself in work other than journalistic such as soliciting business or advertisements for a newspaper/news agency/television news channel/station; and
- (e) he is convicted by a competent Court of Law for defamation or any other criminal offence arising out of his writings/coverage;

(2) the power to disaccredit or derecognize correspondent shall vest in the Press Accreditation Committee and same shall be exercised judiciously. Provided that the Director (I&PR) shall be competent to order the suspension of accreditation or recognition of press correspondent in case of an emergency and in case of a grave misconduct on the part of a press correspondent, if a press correspondent is found engaged in planted news which is not in public interest and individual attack with malafied intension, pending the completion of proceedings before the Press Accreditation Committee in its next meeting;

(3) an accreditation/recognition of a press correspondent may also be suspended at discretion of the State Government. However, such case shall be placed before the Press Accreditation Committee in its next meeting for due consideration and further action. - 10 -

(4) a correspondent aggrieved by an order passed by the Press Accreditation Committee under this rule may prefer a review petition before the Press Accreditation Committee within fifteen (15) days of the passing of such order.

**12. Withdrawal of Accreditation or Recognition.**—When an accredited or recognized press correspondent ceases to represent a newspaper, news agency or television news channel/station on behalf of which he was accredited or recognized, the fact shall be brought to the notice of the Director in writing by the correspondent as well as the Editor/Director/Manager concerned within fifteen (15) days. The Director may also withdraw the accreditation or recognition suo-motu if he receives information to the same effect from any source. Such an order, however, shall be placed before the Press Accreditation Committee in its next meeting for information and confirmation.

**13. Periodical Review of Accredited or Recognized Press correspondents List.**— The list of accredited/recognized press correspondents shall be reviewed periodically, preferably once in a year.

**14. Accreditation or Recognition shall be personal.**— Accreditation or recognition shall be personal and non-transferable and given as facility and shall not be claimed as a matter of right. It does not confer on him any official status as press correspondent. The Government merely recognizes that the accredited or recognized press correspondents represents the newspaper or news agency or electronic media which employs him. Press correspondents shall not possess letter-heads and visiting cards with the words "Accredited /Recognized" by the Government of Himachal Pradesh.

**15. Authority Competent to issue cards.**— Press Accreditation/Recognition card shall be issued to each accredited or recognized press correspondent. The admission to any function will be governed by invitations. The card shall be issued under the signature of the Director (I&PR).

**16. Grant of Provisional Accreditation/ Recognition.**— If a correspondent fulfills all the condition enumerated in these rules for the grant of accreditation or recognition as the case may be, the Director of Information & Public Relations may grant provisional accreditation/recognition to him which shall be valid till the next meeting of the Press Accreditation Committee pending decision of the Press Accreditation Committee on the application for grant of accreditation/recognition.

**17. Renewal of Accreditation/Recognition Cards.**—The Accreditation/ Recognition cards shall be issued for a period of one year or such shorter period as issuing authority may deemed fit and shall be renewed from time to time. The maximum period of renewal shall be one year. The card shall become invalid if the press correspondent ceases to be an employee of the newspaper/news agency/electronic news channel concerned and he shall immediately surrender the card to the issuing authority:

Provided that Editor of weekly newspapers shall submit the copies (i.e. editions) of last one year published weekly newspaper at the time of renewal of their accreditation/recognition card:

Provided further that issuing authority or State Government shall have the power not to renew the accreditation or recognition of press correspondent including Editor of weekly newspaper, in case his/her working in the field of journalism is not found satisfactory. However such case shall be placed before the Press Accreditation Committee in its next meeting for further action.

**18. Issue of Temporary Identity Card.**—A Press correspondent who is neither accredited nor recognized may be issued temporary identity card with validity not exceeding one week to cover a particular event or function. These cards shall be issued by the Director (I&PR) at State level and the District Public Relations Officer at District or Sub divisional level.

**19. Veteran Journalists.**—Veteran journalist who are above seventy (70) years of age and have done exceptional contribution in the field of journalism may be given special recognition and issued a card as a Veteran Journalist. The card shall be valid for life of the journalist provided he continues to have his permanent residence in the State of Himachal Pradesh. A new card with new photograph may be issued to such veteran journalists on request. For Veteran Journalists, present employment with any newspaper/news agency or electronic media shall not be necessary.

**20. Relaxation of Rules.**—The Government may, if it considers necessary, proper or expedient to do so, may relax any of the provisions of these rules. However, such case shall be placed before the Himachal Pradesh Press Accreditation Committee in its next meeting for further action.

**21. Repeal and Savings.**—(1) The Himachal Pradesh Press correspondents Accreditation and Recognition Rules, 2002, is hereby repealed. Notwithstanding such repeal any action taken or anything under the rules so repealed shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these rules.

By order,  
Sd/-

*Additional Chief Secretary (IPR).*



**FORM-I***See rule 6 (1)***APPLICATION FORM FOR ACCREDITATION/RECOGNITION TO EDITOR/PRESS CORRESPONDENT/PHOTOGRAPHER/CAMERAMAN AT STATE/DISTRICT/SUB-DIVISION LEVEL**

1.	Full Name (In block letters)	
2.	Father's Name (In block letters)	
3.	Date and Place of Birth	
4.	Permanent Home Address	
5.	Residential Address	
6.	Since when residing at State/District/Sub divisional Hqrs.	
7.	Accreditation/Recognition sought on behalf of	
8.	Is Principal avocation that of a Press correspondent working at the State/ District/ Sub-division Hqrs.	
9.	Are you engaged in any other work? Give details, if so.	
10.	Are you employed whole time correspondent/ Stringer/Part time of Newspaper/ News agency/ All India Radio/Doordarshan/Electronic channel etc.	
11.	Emoluments being drawn	
12.	Educational and other qualifications	
13.	<b>EXPERIENCE IN THE PROFESSION OF JOURNALISM:-</b>	

Name of Media Organization where salaried posts were held	Post held	Wages/ benefits	Period of service (Specify dates)
1	2	3	4

14.	Any other Experience	
15.	Detail regarding services under Central/State Govt./Semi Govt. Deptt./Organization and date of leaving Govt. Service with reasons.	
16.	Places of stay during the last three years	
17.	Correspondence Address	
18.	Mobile Number:— Telephone Number-Office& Residence:—	
19.	Circulation of the Newspaper	
20.	Type of News/ features agency. Method of distribution of the services. Number of newspaper served regularly on commercial basis, if necessary attach separate sheet.	

**Signature of Press Correspondent**

21. Certified that the applicant correspondent is drawing minimum wages/is in receipt of the retainership prescribed under the wages board recommendations for working Journalists and the relevant notification issued by the Ministry of labour Govt. of India (attach Provident Fund number also).

22. Certified that the applicant correspondent is working regularly with us for the last ..... year/years on payment basis and has drawn the wages and benefits from us year wise.

**Signature and Seal of Editor of  
newspaper/news agency or  
Director/Editor/Manager-Human Resource of  
television channel/station.**

**Note:— Application for District/Sub-division level accreditation/recognition should be sent through concerned District Public Relations Officer.**

**APPLICATION FORM FOR ACCREDITATION/RECOGNITION TO EDITORS OF  
WEEKLIES AND OTHER PERIODICALS**

23.	Name & Address of the Newspaper Established	
24.	Types of Establishment Proprietary/ Partnership/ Pvt. Ltd./ Public trust/Co-op./Others:	
25.	Date of Establishment	

26.	No. of Paper published	
27.	<b>DETAILS OF NEWSPAPERS PUBLISHED AS DETAILED BELOW:— (attach documented proof)</b>	
	<b>Name of the Newspaper along with date of commencement</b>	<b>Language in which published</b>
	<b>Periodicity Weekly</b>	<b>Price per copy</b>
	<b>Circulation</b>	
	<b>1</b>	<b>2</b>
	<b>3</b>	<b>4</b>
	<b>5</b>	
28.	Circulation of Weekly newspaper as per RNI/ABC/DAVP/District Magistrate:—	
29.	Please furnish following information of your publication:—	
(a)	Name of the Paper	
(b)	Size of the Paper: Length & Breadth- Cms.	
(c)	Average No. of copies printed per publishing edition	
(d)	Total No. of copies printed for the year.	
(e)	Average No. of papers per editions:— (i) normal issues: (ii) supplement	
(f)	Average No. of paid copies per edition sold	
(g)	Average No. of Complementary copies distributed	
(h)	Total no of copies of the year	
(i)	Mode of distribution	
(j)	Trade terms allowed to distribution:	

Seal and Signature of Editor

**Note:— 1. Give name and address of agents and subscribers of weekly newspaper.**

**2. Application for District level accreditation/recognition should be sent through concerned District Public Relations Officer.**

**Form-II**  
**See rule 7(e)**

**Self Certified Declaration**

I, ..... aged about .....years, son/daughter of ..... Resident of.....  
Tehsil....., District....., Himachal Pradesh do hereby solemnly affirm and declare on oath as under:—

1. That I am resident of above mentioned address.
2. That I am working as..... for ..... from ..... and filing news and news stories to my respective media organization.
3. That I am not a dismissed employee from any Govt. /Semi Govt. Deptt./ Organization and have not been convicted for any offence involving moral turpitude.
4. That I am not involved in any court case, police case, civil case or any other offence pending against in any competent Court of Law as well as police station anywhere in India and I have good moral character.

Signature of applicant

**VERIFICATION:—**

I, the above named applicant do hereby verify that the contents of my above mentioned self certified declaration are true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therein.

Verified at ..... on dated .....

Signature of applicant

**In the Court of Ms. Kritika Kulhari IAS, Marriage Officer-cum-Sub Divisional Magistrate  
Hamirpur**

In the matter of :

1. Rajesh Kumar aged 47 years s/o Shri Sher Singh, r/o Village Malian, P. O. Tarkwari, Tehsil Bhoranj, District Hamirpur (H.P.) c/o Smt. Rakesh Verma w/o Shri S. S. Verma, r/o Ward No. 1 Anu Tehsil & District Hamirpur (H.P.).

2. Santosh Kumari aged 42 years d/o Shri Amar Singh, r/o Village Bharari-Da-Ghat, P.O. Lehari-Sarel, Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur (H.P.)  
.. . Applicants.

*Versus*

General Public

*Subject.*—Notice of the Intended Marriage.

Rajesh Kumar and Santosh Kumari have filed an application U/S 16 of Special Marriage Act, 1954 alongwith affidavits in the court of undersigned in which they stated they intend to solemnised marriage within three calendar months.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 19-03-2016. The objection received after 19-03-2016 will not be entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 20-02-2016 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,  
Hamirpur, District Hamirpur (H.P.).*

---

**In the Court of Ms. Kritika Kulhari IAS, Marriage Officer-cum-Sub Divisional Magistrate  
Hamirpur**

In the matter of :

1. Parveen Kumar aged 24 years s/o Shri Prem Singh, r/o Village Jandroh, P. O. Kathiana, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.) c/o Smt. Rakesh Rani Verma, r/o Ward No. 1 Anu Tehsil & District Hamirpur (H.P.).

2. Rekha Kumari aged 18 years d/o Shri Purushotam Dass, r/o VPO Jhiralari, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.) . . . *Applicants.*

*Versus*

General Public

*Subject.*—Notice of the Intended Marriage.

Parveen Kumar and Rekha Kumari have filed an application U/S 16 of Special Marriage Act, 1954 alongwith affidavits in the court of undersigned in which they stated they intend to solemnised marriage within three calendar months.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 19-03-2016. The objection received after 19-03-2016 will not be entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 20-02-2016 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,  
Hamirpur, District Hamirpur (H.P.).*

**In the Court of Shri S. K. Prashar, HAS, Marriage Officer-cum-Sub Divisional Officer(C)  
Bhoranj, District Hamirpur (H. P.)**

1. Sushil Kumar aged 27 years s/o Shri Trilok Chand, r/o Village Bhakreri, P. O. Bhoranj, Tehsil Bhoranj, District Hamirpur, H. P.

2. Anita Kumari aged 21 years d/o Shri Prittam Chand, Village Chamboh, P.O. Chamboh, Tehsil Bhoranj, District Hamirpur, H.P.

*Versus*

General Public

*Subject.*—Application for the registration of marriage under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001).

General Public is hereby informed through this notice that Sushil Kumar aged 27 years s/o Shri Trilok Chand, r/o Village Bhakreri, P. O. Bhoranj, Tehsil Bhoranj, District Hamirpur, H. P. and Anita Kumari aged 21 years d/o Shri Prittam Chand, Village Chamboh, P.O. Chamboh, Tehsil Bhoranj, District Hamirpur, H.P. have filed an application alongwith affidavits in this court under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001) that they have solemnized their marriage ceremony on 04-01-2016 at Santoshi Mata Mandir Tal, District Hamirpur as per Hindu Rites and Customs and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

If any person has any objection against the registration of this marriage then he/she can file his/her objection in this court on or before 21-03-2016 failing which matter will be decided as per rules.

Issued today on 20-02-2016 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,  
Bhoranj, District Hamirpur (H.P.).*

ब अदालत नायब तहसीलदार एवम् सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, धर्मशाला, जिला कांगड़ा

मुकद्दमा दरुस्ती :

श्री मदन गोपाल पुत्र जीत बहादुर, निवासी तोतारानी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री मदन गोपाल पुत्र जीत बहादुर, निवासी तोतारानी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हि0 प्र0 ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र दायर किया है कि उसकी पोती का नाम जोया राणा पुत्री हरि नारायण है जबकि राजस्व रिकार्ड महाल घ्याल, मौजा धर्मशाला में उसका नाम जया पुत्री हरि नारायण दर्ज है। आवेदक राजस्व रिकार्ड महाल घ्याल, मौजा धर्मशाला में जोया राणा पुत्री हरि नारायण दर्ज करवाना चाहता है।

अतः आम जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को इस अदालती इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर उपरोक्त बारे किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 11-03-2016 को सुबह 10.00 बजे या इससे पूर्व अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में असालतन या वकालतन अपना एतराज पेश कर सकते हैं मियाद गुजरने के बाद कोई भी उजर या एतराज काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 11-02-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत नायब तहसीलदार व अखत्यारात सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्रीमती लता देवी

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती लता देवी पत्नी श्री विजय कुमार, निवासी गवली दाड़ी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र कर्ण कुमार की जन्म तिथि 20-09-2006 है परन्तु ग्राम पंचायत गवली दाड़ी में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त कर्ण कुमार का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 14-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 12-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत नायब तहसीलदार व अखत्यारात सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्री विक्रम जीत सिंह चन्देल

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री विक्रम जीत सिंह चन्देल पुत्र श्री दुर्गा दास, निवासी बाघणी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र दिगविजय सिंह चन्देल की जन्म तिथि 16-11-1995 है परन्तु ग्राम पंचायत सिद्धवाड़ी में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त दिगविजय सिंह चन्देल का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 14-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 12-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत नायब तहसीलदार व अखत्यारात सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्री रणवीर सिंह जमवाल

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री रणवीर सिंह जमवाल पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी श्याम नगर, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र भानू प्रताप सिंह की जन्म तिथि 11-03-1993 है परन्तु ग्राम पंचायत मन्त में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त भानू प्रताप सिंह का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 14-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 12-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।



ब अदालत नायब तहसीलदार व अखत्यारात सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्रीमती प्रवीन कुमारी

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती प्रवीन कुमारी पत्नी श्री तरसेम कुमार, निवासी वार्ड नं० 4 कांगड़ा, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र सूरज की जन्म तिथि 17-04-1996 है परन्तु ग्राम पंचायत गवली दाड़ी में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त सूरज का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 14-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 12-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत नायब तहसीलदार व अखत्यारात सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्रीमती सुमिना कनेत

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती सुमिना कनेत पत्नी श्री महिपाल सिंह कनेत, निवासी दाड़ी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र निखिल कनेत की जन्म तिथि 01-12-1994 है परन्तु ग्राम पंचायत गवली दाड़ी में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त निखिल कनेत का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 14-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 12-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत नायब तहसीलदार व अखत्यारात सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्रीमती रचना थापा

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती रचना थापा पत्नी श्री राज कुमार, निवासी गवली दाड़, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री अनवी थापा की जन्म तिथि 01-01-2008 है परन्तु ग्राम पंचायत गवली दाड़ में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त अनवी थापा का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 14-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 12-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्री जगदीश राम जसाल

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री जगदीश राम जसाल पुत्र श्री खमेदु राम, निवासी के० वी० धर्मशाला, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री मोनिका जसाल की जन्म तिथि 25-04-1990 है परन्तु एम० सी० धर्मशाला में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त बच्चे मोनिका जसाल का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 17-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 17-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्री प्रदीप सिंह

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री प्रदीप सिंह पुत्र श्री प्रमोद सिंह, निवासी वडोल, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री सुरभि गुलेरिया की जन्म तिथि 04-02-1992 है परन्तु ग्राम पंचायत गवली दाड़ में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त बच्चे सुरभि गुलेरिया का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 17-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 17-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

ब अदालत तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा

श्री Tenzin Chopak

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेरे धारा 13(3) हिमाचल प्रदेश पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री Tenzin Chopak पुत्र श्री Durga Singh Negi, निवासी Sidhpur, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी (Tenzin Chopak) की जन्म तिथि 28-11-1991 है परन्तु ग्राम पंचायत Sidhpur में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त Tenzin Chopak का जन्म पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 17-3-16 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 17-2-16 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

**अदालती इशतहार**

ब अदालत श्री चेतन चौहान, कार्यकारी दण्डाधिकारी रेणुकाजी स्थित संगड़ाह, जिला सिरमौर, हि0 प्र0

श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री निक्का राम, निवासी नौहराधार, तहसील रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0

बनाम

आम जनता

उपरोक्त प्रार्थना पत्र श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री निक्का राम, निवासी नौहराधार, तहसील रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0 ने अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के अन्तर्गत प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उनके पुत्र आशीष ठाकुर जिसकी जन्म तिथि 5-6-1998 है का नाम ग्राम पंचायत नौहराधार के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है। जिसे प्रार्थी अब दर्ज करवाना चाहता है।

अतः सर्वसाधारण को इस ईशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को उजर या एतराज हो तो वह स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि द्वारा मिति 10-03-2016 को सुबह दस बजे इस अदालत में उपस्थित आ कर प्रस्तुत करे बसुरत दीगर आशीष ठाकुर का नाम एवं जन्म तिथि को दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 16-2-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

चेतन चौहान,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
रेणुकाजी स्थित संगड़ाह, जिला सिरमौर, हि0 प्र0।

**अदालती इशतहार**

ब अदालत श्री चेतन चौहान, कार्यकारी दण्डाधिकारी रेणुकाजी स्थित संगड़ाह, जिला सिरमौर, हि0 प्र0

श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री नीता राम, निवासी नौहराधार, तहसील रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0

बनाम

आम जनता

उपरोक्त प्रार्थना पत्र श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री नीता राम, निवासी नौहराधार, तहसील रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0 ने अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के अन्तर्गत प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उनकी पुत्री पूजा व पुत्र सौरभ जिनकी जन्म तिथि क्रमशः 16-2-1995 व 26-7-1998 है का नाम ग्राम पंचायत नौहराधार के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है। जिसे प्रार्थी अब दर्ज करवाना चाहती है।

अतः सर्वसाधारण को इस ईशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को उजर या एतराज हो तो वह स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि द्वारा मिति 10-03-2016 को सुबह दस बजे इस अदालत में उपस्थित आकर प्रस्तुत करे बसुरत दीगर कुमारी पूजा व पुत्र सौरभ का नाम एवं जन्म तिथि को दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 16-2-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

चेतन चौहान,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0।

### अदालती इशतहार

ब अदालत श्री चेतन चौहान, कार्यकारी दण्डाधिकारी रेणुकाजी स्थित संगड़ाह, जिला सिरमौर, हि0 प्र0

श्री सतिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी नौहराधार, तहसील रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0

बनाम

आम जनता

उपरोक्त प्रार्थना पत्र श्री सतिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी नौहराधार, तहसील रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0 ने अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के अन्तर्गत प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उनकी पुत्री ज्योति ठाकुर व पुत्र पवन ठाकुर जिनकी जन्म तिथि क्रमशः 17-3-2002 व 20-4-2003 है का नाम ग्राम पंचायत नौहराधार के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है। जिसे प्रार्थी अब दर्ज करवाना चाहती है।

अतः सर्वसाधारण को इस ईशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को उजर या एतराज हो तो वह स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि द्वारा मिति 10-03-2016 को सुबह दस बजे इस अदालत में उपस्थित आकर प्रस्तुत करे बसुरत दीगर कुमारी ज्योति ठाकुर व पुत्र पवन ठाकुर का नाम एवं जन्म तिथि को दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 16-2-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

चेतन चौहान,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
रेणुकाजी, जिला सिरमौर, हि0 प्र0।

